सेमेस्टर–3

प्रश्नपत्र–5

हिंदी साहित्य का इतिहास
(आधुनिक काल)

100 अंक

1 मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ नवजागरण और भारतेंदु मंडल : मुद्रण का आरंभ और नए रचनारूपों का विकास (निबंध, नाटक, उपन्यास, पत्रकारिता आदि का विकास)

- ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली
  महावीर प्रसाद द्विवेदी और राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी की भूमिका
- स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरण–चेतना का उत्कर्ष

2 स्वच्छंदतावाद, छायावाद और प्रगतिवाद

- छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियां
- उत्तर छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियां
- प्रगतिवाद : परिवेश और प्रवृत्तियां

3 प्रयोगवाद, नयी कविता और उसके बाद की कविता

- प्रयोगवाद और नयी कविता : परिवेश और प्रवृत्तियां
- साठोत्तरी कविता

4 उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध और आलोचना का विकास

- स्त्री लेखन एवं दलित लेखन का विकास।

~~प्रश्न पत्र का अंक विभाजन~~

प्रश्न : 4 X 15	60
टिप्पणी : 2 – 7 और 8 अंक	~~15~~
	75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
2. भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
3. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
4. हिंदी गद्य विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

सहायक पुस्तकें :

1. आधुनिक साहित्य : नंददुलारे वाजपेयी
2. छायावाद : नामवर सिंह
3. तारसप्तक (पहला संस्करण और दूसरा संस्करण) और दूसरा सप्तक की भूमिकाएँ : सं. अज्ञेय
4. हिंदी नवगीत : उद्‌भव और विकास - राजेन्द्र गौतम
5. समकालीन हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
6. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र
7. हिंदी नाटक : नई परख – रमेश गौतम (संपा.)
8. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा
9. भारतेन्दु युगीन नाटक : संदर्भ–सापेक्षता – रमेश गौतम